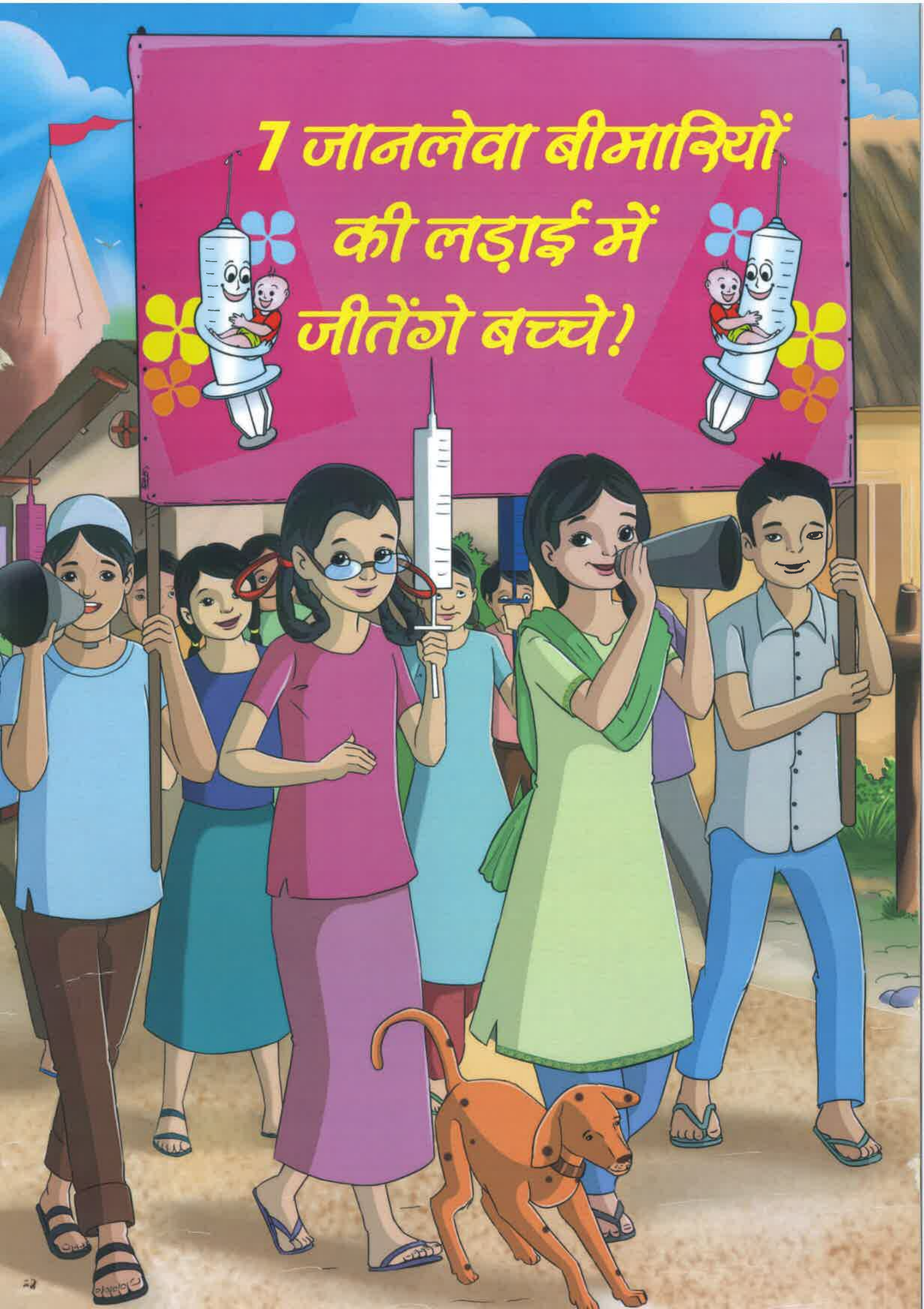
7 जानलेवा बीमारियों
की लड़ाई में
जीतेंगे बच्चे!

सुनील
समझदार, उसकी कमजोरी – उसे खाना बहुत पसन्द है

अमीना
बुद्धिमती और पढ़ाई में तेज़

टीचर जी
धैर्यवान, प्रेरणास्रोत कृपालु और प्रेरक है

सुमन
बुद्धिमती और कमाल के सवाल पूछती है

मोईन
दिमाग तेज है और शरारत करना उसको पसन्द है

प्रधान जी

डॉक्टर साहब

ए.एन.एम. बहनजी

गुड्डू

सुमन की माँ

अमीना की अम्मी

सुमन की दीदी

मोती

मोईन, सुमन, अमीना और सुनील टीचर जी के घर के पास खड़े हैं।
टीचर जी उन्हें देख कर हैरान हैं
क्या बात है बच्चों इस वक़्त - यहाँ?
टीचर जी, जब मेरे पाँव में लोहे की कील लगी, तब मुझे टेट्नस के टीके लगे।
...और मोईन बहुत रोने लगा!
हाँ हाँ... छोटे बच्चे की तरह...
मोईन उन सब के हंसने पर थोड़ा चिढ़ जाता है
टीचर जी! क्या हम सुई बीमारी से बचने के लिए लगवाते हैं या बीमारी के इलाज के लिए?

दोनों सही है। हम जब छोटे बच्चे होते हैं तो हमें जानलेवा बीमारियों से बचने के लिए टीका और खुराक दी जाती है, जिससे हम उन बीमारियों से बचे रहें।
पर तुम यह सब क्यों पूछ रहे हो?

टीचर जी! ए.एन.एम. बहनजी ने मेरी दीदी को कल अस्पताल में टीका लगवाने के लिए बुलाया है, हमारे घर एक नन्हा मेहमान आने वाला है!
सही बात है सुमन, जब बच्चा अपनी माँ के पेट में होता है तब भी माँ को दो टीके लगते हैं, ये बच्चे और माँ दोनों को टेटनस की बीमारी से बचाते हैं।

नवजात शिशु बहुत नाजुक होते हैं। उन्हें सुरक्षा कवच दिलाना हर माता-पिता का कर्त्तव्य है।

सुरक्षा कवच?
टीचर जी!
जैसे कि...बच्चे को टीकाकरण और पोलियो खुराक पिलाना! ताकि 7 जानलेवा बीमारियों से बचे रहें

बच्चे जिज्ञासा दर्शाते हुये
टीचर जी विस्तार से बतायें....
जन्म से एक साल तक के सभी बच्चों को टीकाकरण तालिका के अनुसार टीके लगने चाहिए। इसका एक कार्ड बनता है, जिसमें टीकाकरण के विषय में जानकारी होती है।

टीचर जी... हमें पोलियो के विषय में पता है।
हर पोलियो रविवार को हम सब घरों में जाकर 0–5 साल के बच्चों को बूथ पर खुराक पिलवाने के लिए बुलाते हैं।
यह काम तो आप सब बहुत अच्छी तरह कर रहे हैं– माता-पिता को जागरूक करना।
मतलब कल सुमन की दीदी को भी एक सुरक्षा कवच मिलेगा... पर सुमन को तो डर लग रहा है... मोईन के जैसे!
टीचर जी! हमें भी बहुत डर लगता है!
सुमन डरने की क्या बात है... अगर पाँच साल तक के हर बच्चे का टीकाकरण हो जाता है, तो हर बच्चे को भी सुरक्षा मिलती है। सोचो... हमारे पूरे गाँव को एक सुरक्षा कवच मिल जायेगा!
वह सब सुमन को शर्मिन्दा होते देख कर हंसते हैं
बच्चे मुस्कुराते हुए चले जाते हैं

सुमन की माँ उसकी दीदी को तैयार कर रही हैं। अमीना की अम्मी भी अमीना के साथ आयी हैं।

यह सब क्या है... हमारे ज़माने में तो यह सब नहीं था।
माँ... ज़माना बदल रहा है.... हमें भी उसके साथ आगे बढ़ना है...
चुप कर नानी!
सही तो कह रही है सुमन, मानना पड़ेगा, बेटी तो आप की होशियार है...बहनजी!
वे सब हंसने लगते हैं।

सुमन और उसकी दीदी, अमीना और उसकी अम्मी, उसकी भाभी और गुड्डू सभी साथ अस्पताल आये हैं। वहाँ और भी बहुत से माता–पिता अपने पाँच साल तक के बच्चों को नियमित टीकाकरण के लिए लाये हैं।

ए.एन.एम. बहनजी किसी बच्चे को पोलियो खुराक दे रही हैं।

ए.एन.एम. बहनजी ने सुमन की दीदी को और गुड्डू को टीका लगाया और सुमन की दीदी को एक कार्ड भर कर दिया।

ए.एन.एम. बहनजी ने चार्ट दिखा कर उसको जानकारी दी।

बच्चे स्कूल में दोस्तों के साथ पेड़ के नीचे बैठ कर बात कर रहे हैं।

सारे बच्चे जोश में आ गये

सारे बच्चे हाथ में एक बड़ी–सी सुई जो उन्होंने गत्ते (कार्ड शीट) को काट कर बनायी है उसे लेकर गली–गली में घूम रहे हैं। उनके साथ अब और भी बच्चे हो गये हैं। मोती भी साथ–साथ चल रहा है। अमीना और मोईन ने एक भोंपू भी बना लिया है और वह उससे सब को शाम को पंचायत घर पर आने को कह रहे हैं और नारे लगा रहे हैं –

सुबह–सुबह, गाँव के निवासी अपनी खिड़की दरवाज़ों से गली में से बच्चों की रैली को देख रहे हैं। अब रैली में बहुत से बच्चे और बड़े भी जुड़ रहें हैं।

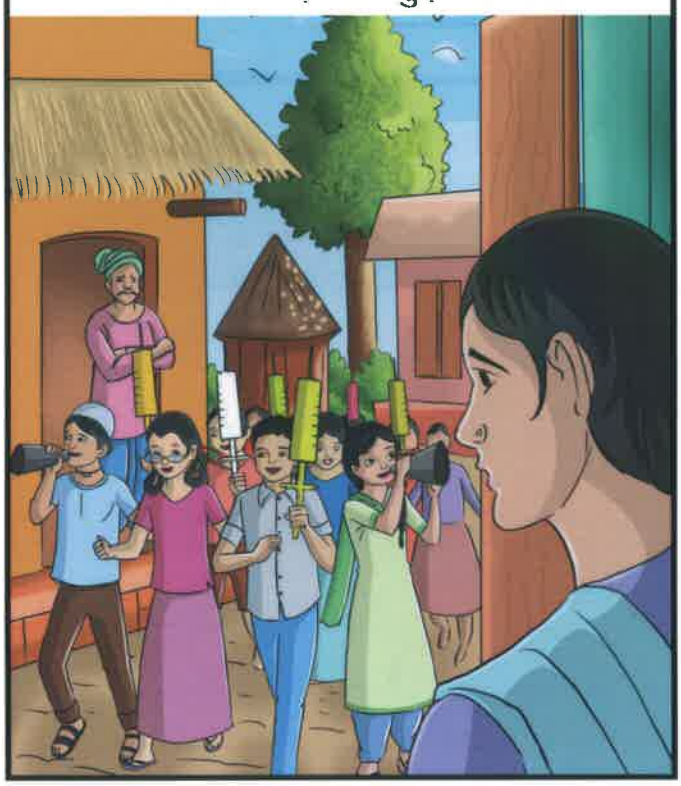

बच्चों की टोली एक घर के बाहर खड़ी है। घर की औरत उन्हें वहाँ से जाने के लिए कह रही है। वह दूसरे घर पर जाते हैं, उन्हें वहाँ से भी भगा दिया जाता है।

बच्चे उदास होकर एक पेड़ के नीचे बैठे हैं, दूर से गाँव के प्रधान आते हैं। और उनसे पूछते हैं कि वे उदास क्यों बैठे हैं?

नहीं !... मैं आप के साथ हूँ ना - हार नहीं माननी चाहिए। मैं आप सब की मदद करूँगा। मैं गाँव में एक मीटिंग का आयोजन करूँगा और उसमें डॉक्टर साहब और ए.एन.एम. बहनजी के साथ गाँव के सब लोग रहेंगे, और बच्चों, आप सब बोलेंगे।

बच्चे खुश हो गये।

शाम का वक़्त है, पंचायत घर के पास पेड़ के नीचे मेज़ लगी है। अस्पताल से डॉक्टर साहब और ए.एन.एम. बहनजी भी आई हैं। प्रधान जी उनके साथ बैठे हैं। गाँव के लोग हैं और सब बच्चे बैठे हैं।

उपस्थित सभी लोगों को हमारा नमस्ते! प्रधान जी की मदद से हमने डॉक्टर साहब और ए.एन.एम. बहनजी को यहाँ बुलाया है। डॉक्टर साहब टीकाकरण के बारे में जानकारी देंगे जिससे हमारे गाँव को सुरक्षा कवच मिलेगा।

उपस्थित सभी लोगों को डॉक्टर साहब टीकों के लाभ के विषय में बता रहे हैं, लोग ध्यान से उनकी बातें सुन रहे हैं।

हर गर्भवती महिला को दो टीके लगने चाहिए तथा 0–5 वर्ष के बच्चों में 7 जानलेवा बीमारियों से बचने के लिए टीके लगवाने चाहिए।

टीके लगवाने से बच्चे बीमार नहीं पड़ते। बच्चे स्वस्थ रहेंगे तो ज़्यादा खेल सकेंगे, ज़्यादा पढ़ सकेंगे और आगे बढ़ सकेंगे।

उन पर बीमारी का खर्च भी कम आयेगा, समय तथा धन की भी बचत होगी, बीमारी से बचना ही समझदारी है।

कार्यक्रम के अन्त में प्रधान ने सब बच्चों को सामने बुलाकर सराहा और कहा कि जिस देश के बच्चे इतने जागरूक होंगे उस देश का भविष्य अवश्य ही सुन्दर होगा।

लोगों ने खूब तालियाँ बजाईं। वे बच्चों से मिले और उनसे क्षमा माँगी कि उनके आते ही वे दरवाज़ा बन्द कर लेते थे। उन्होंने कहा कि इतना अच्छा काम करने वाले बच्चों के लिए हमारे घर के दरवाज़े हमेशा खुले रहेंगे।

बच्चे बहुत खुश हुए और उन्होंने प्रधान जी, डॉक्टर साहब और ए.एन.एम. बहनजी को धन्यवाद कहा और मोती के साथ खुशी–खुशी खेलते हुए वहाँ से निकल गये।

निम्नांकित चित्र मे रंग भरे

बच्चे क्या कर सकते हैं

0–5 साल के बच्चों का टीकाकरण करवाएं और 7 जानलेवा बीमारियों से बचाऐं।

बच्चे क्या कर सकते हैं:

- अपने दोस्तों या सहेलियों के साथ अपने स्कूल टीचर से बात करें कि हर पोलियो चक्र के पहले एक रैली निकाल सकते हैं। इसके द्वारा मोहल्ले के लोग पोलियो रविवार के प्रति जागरूक होंगे।
- पोलियो रविवार पर आप अपने दोस्तों की टोलियाँ बनाकर उन घरों में जाएं जहाँ नवजात से 5 साल तक के बच्चे हैं। उनके माता–पिता को बच्चों को बूथ पर ले जाने के लिए प्रोत्साहित करें। अपने घर में छोटे भाई बहनों को भी मत भूलिये... उन्हें भी पोलियो बीमारी से बचायें!
- टीकाकरण के लिए आप भी अपने क्षेत्र की आशा दीदी या ए.एन.एम. बहनजी से बात करने और, टीकाकरण दिवस के बारे में पता करने के बाद रैलियाँ और टोलियाँ बनाकर लोगों को जागरूक कर सकते हैं। नेक काम में देर क्यों? पर हाँ, घर पर अपने माता–पिता और स्कूल में अपने टीचर जी से इस बारे में बात करके ही यह काम आगे बढ़ाएं।

बच्चों आप भी अपने शहर और गाँव के लिए कुछ कर सकते हैं।

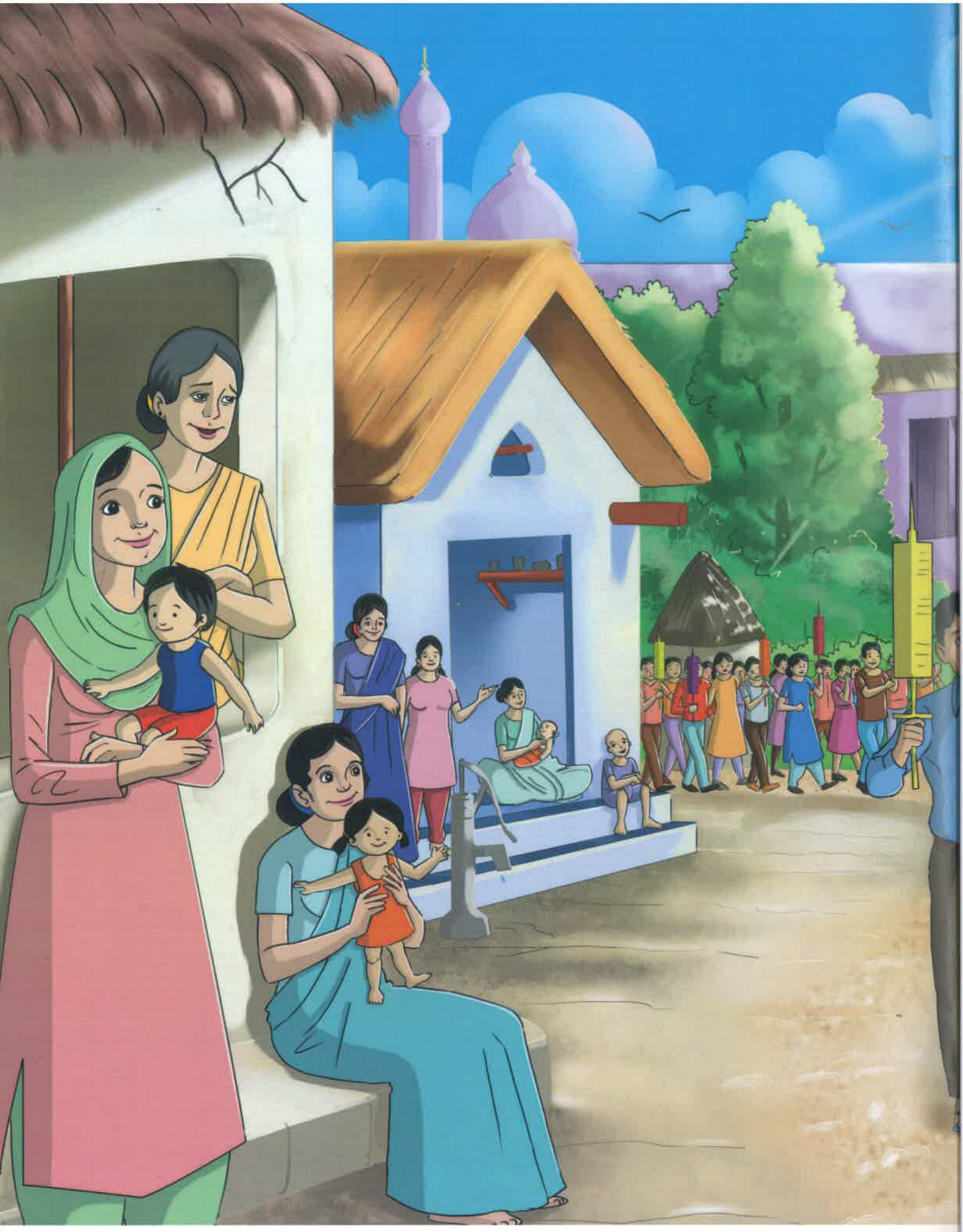

NATIONAL RURAL HEALTH MISSION

ROTARY INTERNATIONAL

unicef